श्री दुर्गा माता की आरती

जगजननी जय जय माँ ! जगजननी जय जय !
भयहारिणी भवतारिणी भवभामिनि जय जय ॥ जगजननी .... ॥ १ ॥

तू ही सत्-चित्-सुखमय शुद्ध ब्रह्मरूपा ।
सत्य सनातन सुन्दर पर शिव सुर भूपा ॥ जगजननी .... ॥ २ ॥

आदि अनादि अनामय अविचल अविनाशी ।
अमल अनन्त अगोचर अज आनन्दराशी ॥ जगजननी .... ॥ ३ ॥

अविकारी अघहारी अकल कलाधारी ।
कर्ता विधि भर्ता हरि हर संहारकारी ॥ जगजननी .... ॥ ४ ॥

तू विधिवधू रमा तू उमा महामाया ।
मूल प्रकृति विद्या तू तू जननी जाया ॥ जगजननी .... ॥ ५ ॥

राम कृष्ण तू सीता ब्रजरानी राधा ।
तू वाछाकल्पद्रुम हारिणि सब बाधा ॥ जगजननी .... ॥ ६ ॥

दश विद्या नव दुर्गा नाना शस्त्रकरा ।
अष्टमातृका योगिनि नव नव रूप धरा ॥ जगजननी .... ॥ ७ ॥

तू परधाम निवासिनि महा विलासिनि तू ।
तू ही श्मशान विहारिणि ताण्डव लासिनि तू ॥ जगजननी .... ॥ ८ ॥

सुर मुनि मोहिनि सौम्या तू शोभाधारा ।
विवसन विकट सरुपा प्रलयमयी धारा ॥ जगजननी .... ॥ ९ ॥

With Blessings :
'Mahadacharya' KALYANASASTRY AMANCHI
website : www.viswakalyanam.org, mailid : kalyanasastry@viswakalyanam.org,
17-38(B), Road Behind Ayyappa Temple, Ramamandir Street, CHIRALA,
Pin : 523 155, Prakasam District, (A.P.), INDIA.
India Ph. : 91-9248581234, Usa Ph. : 614+874+9133

www.viswakalyanam.org

तू ही स्नेहसुधामयी तू अति गरलमना ।
रत्नविभूषित तू ही तू ही अस्थि तना ॥ जगजननी .... ॥ १० ॥

मूलाधार निवासिनि इह पर सिद्धिप्रदे ।
कालातीता काली कमला तू वरदे ॥ जगजननी .... ॥ ११ ॥

शक्ति शक्तिधर तू ही नित्य अभेदमयी ।
भेद प्रदर्शिनि वाणी विमले वेदत्रयी ॥ जगजननी .... ॥ १२ ॥

हम अति दीन दु:खी माँ ! विपत जाल घेरे ।
हैं कपूत अति कपटी पर बालक तेरे ॥ जगजननी .... ॥ १३ ॥

निज स्वभाववश जननी दयादृष्टि कीजै ।
करुणा कर करुणामयी! चरण शरण दीजै ॥
जगजननी .... जगजननी .... ॥ १४ ॥

अम्बे तू है जगदम्बे काली जय दुर्गे खप्पर वाली ।
तेरे ही गुण गाएं भारती ॥

With Blessings :
'Mahadacharya' KALYANASASTRY AMANCHI
website : www.viswakalyanam.org, mailid : kalyanasastry@viswakalyanam.org,
17-38(B), Road Behind Ayyappa Temple, Ramamandir Street, CHIRALA,
Pin : 523 155, Prakasam District, (A.P.), INDIA.
India Ph. : 91-9248581234, Usa Ph. : 614+874+9133

www.viswakalyanam.org